॥शिक्षक की पहचान॥

विद्यार्थी जीवन पथ पर
जो राह हमें दिखाते हैं।
अंधेरे में हम गुम न हों
जो सजग हमें बनाते हैं।
जीवन मूल्य, पाप, पुण्य का,
जो ज्ञान हमें कराते हैं।
शिक्षक वह कहलाते हैं।
जीव से इंसान बनना
जो हमें सिखाते हैं।
सच्चाई के मूलमंत्र पर,
जो चलना हमें बताते हैं,
गरीबों और अमीरों से,
जो प्यार करना सिखाते हैं।
परी नहीं, संत नहीं, साधु नहीं,
शिक्षक वह कहलाते हैं
करुणा, आत्मविश्वास, धैर्य का,
जो संचार हममें करते हैं।
आनन्द, सौंदर्य कला की,
जो अनुभूतियाँ हममें भरते हैं।
हमारी भटकती राहों को
जो सही दिशा दिखाते हैं।
परी नहीं, संत नहीं, साधु नहीं
शिक्षक वह कहलाते हैं!

आकृति गुप्ता
(बी.ए.) दूसरी वर्ष